शुक्र ग्रह का रत्न

हीरा (diamond) शुक्र ग्रह का रत्न है, और शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध हीरा रत्न धारण करने के परिणाम सात वर्ष तक प्राप्त होते हैं। शुद्ध हीरा रत्न के अभाव में शुक्र ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- तंकुहीरा, कैंसला, सिम्मा, ओपल, स्फटिक आदि।

हीरा रत्न की सामान्य पहचान

हीरा रत्न देखने में अत्यंत चमकदार और पारदर्शी होता है। हाथ में लेने पर कठोर, ठंडा, चिकना और वजनदार होता है। सर्वाधिक कठोर होने के बावजूद हाथ से नीचे गिरकर टूट सकता है।

हीरा रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

हीरा रत्न अंधेरे में भी चमकता है, धूप में रखने पर इन्द्रधनुष की तरह किरणे निकलती दिखाई देती हैं। अत्यधिक गर्म करने पर अपना रंग कुछ बदल लेता है, पर ठंडा होने पर उसका रंग पुनः पूर्ववत् हो जाता है। हीरा रत्न पर पिघला घी डालते ही हीरा रत्न पर घी जम जाता है या गरम दूध को ठण्डा कर देता है।

हीरा रत्न धारण करने की विधि

हीरा रत्न प्लेटिनम या चांदी की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन या शुक्र की होरा में या शुक्र के नक्षत्र के दिन सुबह कनिष्ठिा अंगुली (little finger) में धारण करना चाहिये।

हीरा रत्न धारण करने के लाभ

जन्मपत्रिका में शुक्र ग्रह के स्वामित्व भाव, शुक्रग्रह के स्थित भाव, शुक्र ग्रह की दृष्टि और शुक्र ग्रह की दशा आदि में शुक्र ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ाने और अशुभ प्रभावों को कम करने में हीरा रत्न सहायक होता है, साथ ही वैवाहिक सुख, वाहन सुख में वृद्धि और सम्पन्नता, वैभव, ऐश-आराम में भी वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होता है। यौन रोगों से बचाव या यौन रोग से शीघ्र छुटकारा पाने के लिए भी हीरा रत्न धारण किया जाता है।

हीरा रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

हीरा रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि हीरा रत्न आपके शरीर को छू सके। हीरा रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम शुक्रवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और शुक्रवार के दिन यथा-शक्ति शुक्र ग्रह का मंत्र जप करें। **हीरा रत्न धारण करने के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**